



**PBT-001-012301** Seat No. \_\_\_\_\_

**M. A. (Sem. III) (CBCS) Examination**

**November / December - 2018**

**Hindi : Paper - CHN - 1007**

**(Aadhunik Hindi Kavya (1960)) (Old Course)**

**Faculty Code : 001**

**Subject Code : 012301**

Time : 2 $\frac{1}{2}$  Hours]

[Total Marks : 70

- सूचना :**
- (1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
  - (2) इस प्रश्न-पत्र में कुल पाँच प्रश्न हैं ।
  - (3) प्रश्न के सामने अंक निर्दिष्ट हैं ।

- |   |   |    |
|---|---|----|
| १ | ‘जयद्रथ-वध’ का प्रत्येक सर्ग का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।                                 | १४ |
|   | अथवा  |    |
| १ | भावपक्ष और कला-पक्ष की दृष्टि से ‘जयद्रथ-वध’ की समीक्षा कीजिए ।                         | १४ |
| २ | ‘कामायनी’ के आधार पर श्रद्धा का चरित्र-चित्रण कीजिए ।                                   | १४ |
|   | अथवा  |    |
| २ | ‘कामायनी’ में वर्णित सामाजिक समस्याओं का विवेचन करते हुए उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।        | १४ |
| ३ | ‘क्या आप ‘तुलसीदास’ को एक सफल खण्डकाव्य मानते हैं ।’<br>– युक्ति-संगत उत्तर दीजिए ।     | १४ |
|   | अथवा  |    |
| ३ | ‘तुलसीदास’ काव्य में अनुभूति एवं अभिव्यक्ति पक्ष का सुंदर समन्वय हुआ है – सिद्ध कीजिए । | १४ |

४ 'संशय की एक रात' की कथावस्तु लिखकर उसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । १४

अथवा

४ 'संशय की एक रात' में व्यक्त आधुनिक बोध । १४

५ टिप्पणियाँ लिखिए : (किन्हीं दो) १४

(१) जयद्रथ-वध घटनाओं में निरूपित संदेश ।

(२) 'कामायनी' महाकाव्य में व्यक्त विभिन्न दर्शन ।

(३) 'तुलसीदास' काव्य में प्रकृति - चित्रण ।

(४) 'संशय की एक रात' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

---